लालमटिया कोयला खानों में मजदूरों द्वारा भूख हड़ताल किया जाना

4054. डा० रामजी सिंह : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या संताल परगना के महगामा थाने की लालमटिया कोयला खानों में पिछले महीने बहुत सारे मजदूरों ने भूख हड़ताल की थी और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या आठ कोयला खानों के राष्ट्रीयकरण के पश्चात् केवल एक ही खान को चालू रखा गया जिससे हजारों मजदूर बेरोजगार हो गये और उत्पादन क्षमता नष्ट हो गई;

(ग) क्या भाड़े पर लिये गये ट्रकों को लालमटिया खानों से लदान के लिए दो-दो दिन प्रतीक्षा करनी पडती है और जो रिश्वत देते हैं उनका माल पहले लादा जाता है;

(घ) क्या सरकार को पता है कि लालमटिया ग्रुप की कोयला खानों से कोले की ढुलाई के लिए पहले बैल-गाड़ियों का उपयोग किया जाता था जिससे स्थानीय गरीब लोगों को रोजगार मिलता था और यदि हां, तो इस व्यवस्था को समाप्त किये जाने के क्या कारण हैं; और

(ङ) क्या सरकार का विचार इसी व्यवस्था को पुन: लागू करने का है ?

ऊर्जा मन्त्री (श्री पी० रामचन्द्रन) : (क) लालमटिया कोयला खान के प्रबंधक के कार्यालय में 10 से 15 की टोलियों से सामूहिक धरना भूख हड़ताल की गई थी। उन की मांग मौसमी कामगारों को स्थायी कर देने की थी। यह मामला सहायक श्रम आयुक्त (सी) पटना को भेज दिया गया था जिसके फलस्वरूप तारीख 3-6-77 से धरना समाप्त कर दिया गया था।

(ख) राष्ट्रीयकरण के समय कुछ बन्द एककों सहित, इस क्षेत्र की केवल छ: खानों को ग्रहण किया गया था। विभिन्न कारणों से जिनमें सुरक्षा का ध्यान भी है, केवल एक खान में उत्पादन किया गया जो इस क्षेत्र की कोयले की मांगों को पूरा करने के लिए पर्याप्त था। इन छ: खानों के सभी ग्रहीत नियमित कामगारों को खपा लिया गया था।

(ग) यह कहना सही नहीं है कि ट्रकों को माल भरने के लिए दो-दो दिन तक इंतजार करना पड़ता है। लालमटिया में ट्रकों को भरने के लिए कम्पनी द्वारा "पहले आओ पहले भरो" के आधार पर क्यू प्रणाली अपनाई जा रही है। ट्रक ड्राइवरों को हमेशा यह सलाह दी जाती रही है कि यदि उन्हें कोई असुविधा हो तो उसकी शिकायत दर्ज करें। प्रबंधकों को अभी तक कोई गंभीर शिकायत नहीं मिली है। प्रबंधक एक किताब रख रहे हैं जिसमें आने वाले ट्रकों को अपना नम्बर लिखना होता है तथा ड्राइवरों को आते समय तथा जाते समय अपने हस्ताक्षर करने पडते हैं।

(घ) और (ङ). लालमटिया कोयला खान में बैलगाड़ियों द्वारा कोयले की ढुलाई जाड़े और सूखे मौसम में की जाती है। यह प्रथा बन्द नहीं की गई है। यह ग्राहक पर निर्भर करता है कि वह बैलगाड़ी द्वारा माल ले जाना पसन्द करे अथवा ट्रक से। फिर भी लदान के लिए ट्रकों को इसलिए तरजीह दी जाती है कि वे दूर से आते हैं तथा उनको प्रतीक्षा महंगी पड़ती है।

Deletion of 'Mochi' from Scheduled Castes List

4055. SHRI AHSAN JAFRI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether any representation has been made by Gujarat Government regarding the Gazette dated the 20th